खबर संक्षेप

एलएचव्ही कमला जैन का सेवानिवृत्ति समारोह आज

निवास। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एलएचव्ही के पद पर पदस्थ रहीं कमला जैन 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हुईं। 39 वर्ष की शासकीय सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुईं जैन का विदाई समारोह दो दिसंबर को विभाग द्वारा आयोजित किया गया है। इसके साथ ही स्नेह मिलन का कार्यक्रम शाम से खेरमाई मंदिर प्रांगण में आयोजित होगा। पुत्र दीपक जैन ने सभी स्नेह जनों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

श्रीमती रमाबाई बडोनिया का निधन

नारायणगंज। ग्राम पंचायत पड़रिया बाढ़ क्रमांक 16 निवास श्रीमती रमाबाई बडोनिया का निधन आज शाम 5:00 बजे हो गया उनकी उम्र 95 वर्ष की थी लंबे समय से अस्वस्थ होने के कारण उनका निधन हो गया उनके पुत्र रवि बडोनिया मधु बडोनिया परसोत्तम बडोनिया विजय बनानिया उनका अंतिम संस्कार श्मशान घाट में कल किया जाएगा।

जांच में खानापूर्ति एक निलंबित तो दूसरे शिक्षक पर मेहरबानी

किराये के शिक्षक सहारे चल रहा था स्कूल

*** जिले की शिक्षा व्यवस्था को बनाया जा रहा मजाक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

मध्यप्रदेश सरकार और जिला प्रशासन लाख दावे करे शिक्षा व्यवस्था सुधारने की लेकिन उन दावों की हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। एक तरफ सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बहुत से योजनाएं ला रही है।लेकिन उन योजनाओं का धरातल से कोई सरोकार नहीं। जहां योजनाएं तो सुचारू रूप से क्रियांवय करने के लिए बनाए जाते है लेकिन उन्ही योजनाओं की धज्जियां उड़ाते मैं अधिकारी कर्मचारी बिल्कुल भी नही कतरा रहे है। ऐसा ही मामला मवई विकासखंड के शिक्षा विभाग में प्रकाश में आया जहा जांच के नाम पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा सिर्फ खानापूर्ति की गई। जहां मामला कुछ और होते हुए भी अपने रिपोर्ट में कुछ और दर्शा दिया। जहां शिक्षक रायसिंह के पुत्र द्वारा भृत्य के माध्यम से कमीशन देने का आरोप विकासखंड अधिकारी पर लगाया था लेकिन उसकी जांच नही की गई और एकतरफा जांच कर शिक्षक रायसिंह को निलंबित कर दिया गया जबकि दूसरे शिक्षक के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

क्या है पूरा मामला

मामला मण्डला जिले से 100 किलोमीटर दूर वनांचल क्षेत्र मवई के सठिया ग्राम के मिडिल स्कूल का है। जहां दो शासकीय शिक्षक है लेकिन दोनो ही स्कूल से नदारद रहते है और किराए के शिक्षक से पढ़ाई एवं स्कूल के अन्य कार्य कराया जाता था। जिसकी खबर विकासखंड शिक्षा अधिकारी को मौखिक रूप से 19 नवंबर को दी गई लेकिन विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा कोई कार्यवाही ना कर मामले को पूरे तरीके से दबाने के लिए लीपापूति की गई। मामले में कार्यवाही ना होता देख मामले को प्रमुखता से अखबार के माध्यम से प्रकाशित किया गया और आनन-फानन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा मौके में जाकर एकतरफा करवाही करके कमीसन देने का आरोप लगाने वाले शिक्षक को निलंबित करने की कार्यवाही कर दी गई जबकि दूसरे शिक्षक के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई नाम पर खानापूर्ति कर दी गई। वही लोगो के द्वारा शिक्षक रायसिंह के पुत्र द्वारा लगाए कमीसन के आरोपों की जांच जिले के वरिष्ठ अधिकारी से करने की मांग की गई है।

आनन फानन में बनाया अतिथि शिक्षक का प्रस्ताव

वही सूत्रों के अनुसार मामला उजागर होने के बाद बीईओ हरेसिंह परते के द्वारा आनन फानन मैं 23 दिन पहले का अतिथि शिक्षक का प्रस्ताव बना दिया गया। जबकि खबर प्रकाशित होने तक इस प्रकार का कोई भी प्रस्ताव नही बनाया गया था। जिसकी पुष्टि शिक्षक भूपत धुर्वे द्वारा 19 नवंबर को की गई थी। जिससे सिद्ध होता है की बीईओ के द्वारा गलत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर जिले के आला अधिकारी को भ्रमित कर रहे है। जिसमे खुद विकासखंड शिक्षा अधिकारी की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। आखिर ऐसे शिक्षिको को बचाने के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा भ्रमित जांच रिपोर्ट क्यों बनाई जा रही है। जिसकी जांच जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को करना चाहिए।

बच्चो का स्कूलों से हो रहा मोहभंग

विकासखंड शिक्षा अधिकारी के भ्रष्ट रवैया और लापरवाही से मुख्यालय के आसपास के स्कूल की शिक्षा व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। कही स्कूलों में शिक्षक नहीं पहुंच रहे है तो कही ननिहालो के भोजन में डाका डाला जा रहा है। लेकिन बी ई ओ हरे सिंह परते मूक दर्शक बने हाथ-हाथ में रखे बैठे है। जिनसे आसपास के स्कूलों की व्यवस्था नहीं संभाली जा रही है। जिससे आसपास के सरकारी स्कूल के बच्चो का स्कूल से मोहभंग होते जा रहा है और स्कूलों में लगातार बच्चो के संख्या में कमी आते जा रहीं है। वही शिक्षा व्यवस्था को गर्त में पहुंचाने के लिए लोगो के द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी को हटाने की मांग कर रहे है।

कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, जिला-मण्डला

क्रमांक / सहा.आयु / शिक्षा / वि.जांच / 2024 / 8497 मण्डला, दिनांक 01 / 12 / 2024

आदेश

सहायक आयुक्त,
जनजातीय कार्य विभाग, मण्डला

पृ.क्र. / सहा.आयु. / शिक्षा / वि.जांच / 2024 / 8498 मण्डला दिनांक 01 / 12 / 2024

प्रतिलिपि-

1. आयुक्त महो. जनजातीय कार्य विभाग, म.प्र. भोपाल।
2. कलेक्टर महो. मण्डला की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी महो. जिला पंचायत मण्डला।

सहायक आयुक्त,
जनजातीय कार्य विभाग मण्डला

उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में कानूनी जागरूकता कार्यशाला संपन्न हुई

मण्डला। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर मंडला ने बताया कि शुक्रवार को शा.उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में जिला प्रशासन की मंशा के अनुसार महिला एवं बाल विकास एवं पुलिस विभाग, जनसम्पर्क विभाग व उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कानूनी जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें शैक्षणिक संस्थान में घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013, पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का निवारण) अधिनियम 2012, भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत विशेष अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशाला अंतर्गत छात्र/छात्राओं एवं उपस्थित प्रतिभागियों को प्रशासक वन स्टॉप सेंटर मधुलिका उपाध्याय द्वारा जानकारी दी गई। साथ ही ऑडियो/वीडियो के तहत संक्षिप्त फिल्म बदलता परिवेश और आत्मबोध दिखाई गई। जिसका छात्र/छात्राओं एवं उपस्थित प्रतिभागियों ने भरपूर आनंद लिया और उससे क्या सीख मिली यह भी बताया। इसके पश्चात भारत सरकार द्वारा जारी शी बॉक्स पोर्टल की भी जानकारी प्रशासक द्वारा दी गई। पुलिस विभाग उप निरीक्षक महिला थाना चंद्रवती मरावी द्वारा पॉक्सो एक्ट 2012 अंतर्गत जिले में नाबालिक बच्चों के साथ होने बाले यौन अपराध से बचाव व उनके निवारण हेतु जगह-जगह चाईल्ड हेल्पडेस्क बनाया गया है। साथ ही भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता एवं चाईल्ड हेल्पलाईन नं. 1098 के बारे में भी जागरूक किया गया। साक्षी पटवा केसवर्कर वन स्टॉप सेंटर द्वारा वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं को दी जाने वाली सहायताओं एवं महिला हेल्पलाईन 181, 112, के बारे में बताया।

दा आर्किड फन स्कूल में मिनी मैराथन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

रविवार को दा आर्किड फन स्कूल के सफलतापूर्वक 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे भाजपा जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी और एसडीएम सोनल सिडाम ने हरि झंडी दिखा कर मिनी मैराथन का शुभारंभ किया। यह मैराथन आर्किड फन स्कूल से शुरू होकर नेहरू स्मारक होते हुए पुलिस लाइन गाउंड में संपन्न हुई। मिनी मैराथन का मुख्य उद्देश्य रन टू इंस्पायर, कीप अवर नर्मदा क्लीन रहा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रफुल्ल मिश्रा, अनुराग बिट्टू चौरसिया, डॉ संजय तिवारी, डॉ उपेंद्र शुक्ला, उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यक्रम में रंजीत कछवाहा, पंतजली योगा समीति, समर मूवी के स्टार कास्ट, आर्किड के छात्र-छात्राओं और उनके अभिवावकों सहित वरिष्ठ समाजसेवियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं ज्ञात हो कि कार्यक्रम को सफल बनाने में द आर्किड के शिक्षक मेघा मिश्रा, सारिका रघुवंशी, कीर्ती दुवे, सदफ़ अंजुम सहित समस्त स्कूल स्टाफ की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम के अन्त में मण्डला की जीवनधारा माँ नर्मदा को स्वच्छ व निर्मल रखने का संदेश देते हुये आर्किड के डायरेक्टर सौरभ तिवारी और प्राधानाचार्य आकांक्षा तिवारी द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मेघा मिश्रा और आभार प्रदर्शन डायरेक्टर सौरभ तिवारी ने किया।

सीएससी बिजली बिल भुगतान केंद्र का उद्घाटन

मण्डला। नागरिकों के लिए आसानी से निःशुल्क बिजली का बिल जमा करने के लिए सीएससी केन्द्रों के माध्यम से बिल जमा किये जा रहे हैं शनिवार को मंडला में सीएससी सेंटर में बिजली बिल भुगतान कर के मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी से ए ई चन्द्र प्रकाश के द्वारा उद्घाटन किया गया जिसमें सीएससी संचालक जगन्नाथ चंद्रौल और सीएससी जिला प्रबंधक अमित कुमार केवट उपस्थित रहे। जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं कस्बों में स्थापित अथवा निकटतम सीएससी केंद्र में जा कर नागरिक अपना बिजली बिल का भुगतान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के कर सकते हैं।

जागरूकता रैली | **विश्व एड्स दिवस पर जिला चिकित्सालय द्वारा निकाली गई रैली।**

जागरूकता रैली द्वारा शहर में जगाई गई अलख

*** सतर्कता और जागरूकता से ही बचाव।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय मंडला द्वारा एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भव्य रैली का आयोजन किया गया। रैली जिला चिकित्सालय से प्रारंभ होकर पूरे शहर में भ्रमण करती हुई श्रमिक शेड, ज्ञानदीप स्कूल के सामने संपन्न हुई। इस दौरान आमजन को एचआईवी/एड्स की रोकथाम, बचाव और उपचार के बारे में जागरूक किया गया।

रैली में जिला चिकित्सालय के डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, समाजसेवी, छात्र-छात्राएं और गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर एचआईवी/एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश दिए। एचआईवी की जानकारी, बचाव की तैयारी जैसे नारों ने पूरे वातावरण को जागरूकता से भर दिया।

कार्यक्रम के अंत में श्रमिकों को विशेष रूप से एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि यह बीमारी केवल जागरूकता और सतर्कता से ही रोकी जा सकती है। उन्होंने एचआईवी संक्रमण के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय और सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के चिकित्सक दल ने बताया कि नियमित जांच, सुरक्षित संबंध, और सही उपचार से एचआईवी/एड्स को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में इस बीमारी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस आयोजन ने शहरवासियों को इस गंभीर विषय पर जागरूक करने का एक सकारात्मक प्रयास किया और समाज में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

जांच के नाम पर धमकाया जा रहा समूह की दीदीओं को

*** बयान लेने के स्थान पर रिकॉर्डो की जांच की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आजीविका मिशन मण्डला में एक ब्लॉक मैनेजर पर समूह की दीदीओ ने 50 हजार रूपये रिश्वत मांगने के आरोप लगाये थे उक्त आरोप की जांच पर जब जिला परियोजना प्रबंधक ने डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एवं उनकी एक सहयोगी को जांच के लिये नियुक्त किया और समूह की दीदीओ के बयान लेने को कहा। समूह की दीदीओं को शुक्रवार को आजीविका मिशन कार्यालय बुलाया गया जहां पर उपस्थित दीदीओं ने आरोपी ब्लॉक मैनेजर के विरूद्ध बयान दिये साथ ही लगातार ब्लॉक मैनेजर द्वारा परेशान किये जाने की बात कही और कहा कि किस तरह उनके घर जाकर ब्लॉक योगेन्द्र तिवारी द्वारा इन्हें धमकी भी दी गई थी।

जांचकर्ताओं को शायद इस तरह के बयान रास नहीं आये और फिर दूसरे दिन शनिवार को योजनाबद्ध तरीके से समूह की कुछ दीदीओं को पहले कार्यालय बुलाया गया और इसी दौरान जांचकर्ता दूसरी दीदीओं के घर जा पहुंची और उन पर शिकायत को लेकर दबाव बनाने लगी जिसके साथ ही धान उपार्जन के रिकॉर्ड मांगे गये और पूछा गया कि धान उपार्जन कार्य में कितने मजदूर लगे थे उन्हें कितना भुगतान किया गया जब इन दीदीओं ने दूसरी अन्य दीदीओं को इसकी जानकारी दी तो कार्यालय में जांच अधिकारी का इंतजार कर रहीं उन दीदीओं को यह नागवार गुजरा कि हमें तो कार्यालय बुलाया गया और जांच कर्ता दूसरी दीदीओं के घर क्यों पहुंच गई जब ये दीदीयाँ वहां पहुंची और जांचकर्ताओ के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की तो जांचकर्ताओं द्वारा कहा गया कि हम एनआरएलएम के अधिकारी हैं किसी भी समूह एवं दीदी के घर जा सकते हैं हमें जांच के लिये कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ द्वारा कहा गया बाद में दीदीओं ने इस बात पर भी आपत्ति दर्ज कराई कि जांच तो ब्लॉक मैनेजर द्वारा 50 हजार रूपये रिश्वत मांगने की हो रही है तो धान उपार्जन के रिकॉर्ड मांगने का क्या औचित्य इस पर जांचकर्ताओं ने दीदीओं से कहा कि आपके पास रिश्वत मांगने के जो आरोप आपके द्वारा लगाये गये हैं उसके क्या साक्ष्य हैं तब दीदीओं द्वारा कहा गया कि हमारे परिवार के लोगों के सामने यह पूरा वाक्या हुआ था और वे ही इसके प्रत्यक्ष गवाह हैं। इस तरह समूह की दीदीओं ने जांचकर्ताओं की जांच प्रणाली पर कई तरह के सवाल खड़े किये हैं अब यह तो विभाग के अधिकारी ही स्पष्ट कर सकेंगे कि हकीकत क्या है।

इस पूरे मामले में जांचकर्ता डिस्ट्रिक्ट मैनेजर से जब हरिभूमि ने बात की तो उन्होंने समूह की दीदीओं के सभी आरोपों को सिरे से नाकार दिया कहा कि हम पिछले दो दिनों से समूह की दीदीओं को बुला रहे हैं लेकिन वे आती नहीं शनिवार को भी हमारे द्वारा 50 से 60 फोन मुख्य शिकायतकर्ता को किये गये लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया तब हम लोगों ने संगठन अधिकारी के द्वारा इन दीदीओं का घर पता कर और जांच करने वहां पहुंचे थे जहां पर शिकायतकर्ता दीदीयाँ आई और नाराज होने लगी साथ ही बदतमीजी से बात भी की गई कि आप लोग यहां क्यों आयें हैं। आरोप पैसे मांगने के लगे हैं तो उसके साक्ष्य भी होना चाहिये यही हमनें उन दीदीओं से कहा और फिर जो-जो बयान दीदीओं द्वारा दिये गये उसे लिखित में लिया गया साथ ही पूरे बयान को पढ़ाकर उनके हस्ताक्षर लिये गये हैं जहां तक धमकाने के आरोप हैं तो ऐसा कुछ भी नहीं है हम वही कर रहे हैं जिसका हमें उच्चाधिकारियों द्वारा निर्देश दिया गया है।

राहगीर को टक्कर मारने के बाद एम्बुलेंस खंभे से टकराई, सड़क से उतरकर खेत में जा घुसी, 4 की मौत

सिवनी। राहगीर को टक्कर मारने के बाद एम्बुलेंस खंभे से टकरा गई। इसके बाद सड़क से उतरकर खेत में जा घुसी। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 5 घायल हैं। मृतकों में 3 साल का बच्चा शामिल है। एक्सीडेंट रविवार सुबह करीब 9 बजे जबलपुर रोड पर धारपाठा गांव के पास हुआ। लखनादौन थाना प्रभारी केपी धुर्वे ने बताया कि एम्बुलेंस आंध्र प्रदेश के कुरनूल से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जा रही थी। इसी दौरान धूमा के धारपाठा गांव के पास ड्राइवर का नियंत्रण हट गया। एम्बुलेंस पहले पैदल जा रहे एक राहगीर को टक्कर मारी, फिर अनबैलेंस होकर खंभे से टकरा गई। इसके बाद सड़क से उतर गई। टीआई धुर्वे ने कहा, 'घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है।हादसे में हुए मृतक 1. प्रतिमा देवी पति लाल शाह (35) निवासी- बेतिया बिहार 2. प्रिंस कुमार पिता लाल शाह (4) 3. मुकेश शाह पिता दीपलाल शाह (36) निवासी- रक्सौल बिहार 4. सुनील पिता मदन शाह (40) निवासी - गोकुल बिहार हादसे में ये लोग घायल 1. लालू शाह पिता सुग्रीम शाह (37) निवासी ग्राम सतपुर बिहार 2. अनीश कुमार पिता मनीष शाह (18) निवासी- बेतिया बिहार 3. शेख बाबू पिता इब्राहिम (45) निवासी- आंध्र प्रदेश 4. पदयात्री - रंगलाल कुलस्ते पिता भज्जी लाल कुलस्ते (45) निवासी- धार फाटाएम्बुलेंस में 8 लोग सवार थे में पुलिस के मुताबिक, गोरखपुर का शख्स कुरनूल प्राइवेट नौकरी करता है। कुछ दिन पहले उसके पैर में चोट लग गई थी। परिजन उसे देखने गोरखपुर से कुरनूल गए थे। उसे साथ लेकर लौटते वक्त एम्बुलेंस सिवनी में हादसे का शिकार हो गई। एम्बुलेंस में 8 लोग सवार थे। जिनमें से प्रतिमा देवी, मुकेश और प्रिंस (3) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि सुनील शाह ने इलाज के दौरान दम तोड़ा।

सड़क के साइड सोल्डर नहीं भरने से हो रहे कई हादसे

हरिभूमि न्यूज:सिवनी।साल भर पहले बनी सड़क की हालत अब जर्जर हो चुकी है मामला तहसील घंसौर अंतर्गत गोकला से दलका प्रधानमंत्री सड़क मार्ग भारी बरसात अतिवृष्टि के बाद जर्जर हालत में है जिसका साइड शोल्डर पूरी तरह से टूट चुका है साफ तौर पर ठेकेदार की घोर लापरवाही के चलते किसी की जान पर भी बन सकती है किसी भी राहगीर के साथ अप्रिय घटना किसी भी समय हो सकती है क्या गोकला तालका प्रधानमंत्री सड़क मार्ग के जवाबदार एवं ठेकेदार जानबूझकर लापरवाही कर रहे हैं किसी के साथ घटना हो जाने के बाद क्या इस रोड की हालत सुधारी जाएगी किसी भी राहगीर के साथ घटना का जवाबदार कौन होगा एवं इसका जवाब कौन देगा मौके पर कुछ बाइक सवार लोगों के साथ घटना होते-होते बची बड़ी मशक्कत के बाद राहगीर अपनी मोटरसाइकिल निकाल कर अपने आप को सुरक्षित बचा पाए सूचना पटल में लिखे अनुसार ठेकेदार द्वारा 5 साल तक रोड की देखरेख का जिम्मा होता है तो फिर गोकला दलका प्रधानमंत्री सड़क मार्ग की मरम्मत क्यों नहीं की जा रही क्या खबर प्रकारित होने के बाद सिवनी कलेक्टर ठेकेदार पर कार्यवाही करेगी।

महिलाओं और कमजोर वर्ग पर अत्याचार करना बंद करो-महिला फेडरेशन

सिवनी। शहर के ड्रीमलैंड सिटी में अभी-अभी एक युवती शिवानी उईके की हत्या कर नग्न अवस्था में फेंक दिया गया जो सिवनी शहर के लिए सनसनीखेज घटना है।
जब से जिन-जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का शासन आया है वहां-वहां महिलाओं पर अनुसूचित जातियों पर अनुसूचित जनजातियों पर पिछड़ा वर्ग और कमजोर लोगों पर अत्याचार बढ़ गए हैं विशेष कर महिलाओं को जगह-जगह सताया जा रहा है उनका यौन उत्पीड़न किया जा रहा है उन पर पेशाब किया जा रहा है और उन पर मानव मल तक मल दिया जा रहा है कहीं-कहीं पर दलितों को लाठियां से पीट-पीट कर मार डालते हैं।

ट्रैक्टर ट्राली का पंजीयन कृषि कार्य के नाम पर और व्यावसायिक रूप से उपयोग करते हुये ढो रहे है रेत मिट्टी सहित अनेक प्रकार के सामग्री.....?

गाडरवारा। नगर सहित क्षेत्र की सड़को पर जिस तरह ट्रेक्टर ट्रालियों का व्यावसायिक रूप से उपयोग करते हुये रेत, गिट्टी व मिट्टी भरकर ट्रेक्टर ट्रालियों को भर्राटे मारते हुये देखा जा रहा है वह पूर्ण रूप से नियमों के विपररित होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से कोई ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि आये दिन सड़क दुर्घटनाये घटित होना आम बात बनती चली जा रही है? क्योंकि जब किसी भी व्यक्ति द्वारा अपना ट्रेक्टर ट्राली खरीदी जाती है तो उसके द्वारा आर टी ओ विभाग में कृषि कार्य के नाम पर दर्ज इसलिये कराया जाता है कि उसमें टेक्स के रूप में कम राशि भरनी पड़ती है। मगर कृषि कार्य के नाम पर दर्ज इन ट्रेक्टर ट्रालियों का खुलेआम व्यावसायिक रूप से उपयोग होने के बाद भी कार्यवाही न होना निश्चित ही अधिकारियों की उदासीनता को उजागर करने से नही चूकता है? बताया जाता है कि कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत इन ट्रेक्टर ट्रालियों कास नगर सहित क्षेत्र में व्यावसायिक उपयोग धडल्ले से किया जा रहा है। इस स्थिति के चलते जहां शासन को लाखों रूपया में टैक्स के रूप में राजस्व की हानी हो रही है तो दूसरी ओर दुर्घटनाये होने पर लोगो को क्लेम लेने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जबकि इन ट्रेक्टरों का परिवहन विभाग में पंजीय कृषि कार्य के उपयोग के नाम पर रहता है। मगर इसके बाद भी इन ट्रेक्टर ट्रालियों में खुलेआम व्यावसायिक रूप से हो रहे दुरूपयोग को लेकर शायद ही किसी अधिकारी द्वारा इस ओर ध्यान देते हुये कभी रेत, गिट्टी या फिर मिट्टी ढोने वाले ट्रेक्टर ट्राली को पकड़ते हुये इस सच्चाई को जानने का प्रयास किया गया हो कि उसका पंजीयन किस कार्य के लिये है? बताया जाता है कि जब ट्रेक्टर ट्राली को कृषि कार्य के नाम पर लिये जाते है तो उसमें कृषकों के नाम अनुदान भी प्राप्त होता है और ऐसे वाहनों से लोग कृषि कार्य न करते हुये व्यावसायिक धंधा मुख्य रूप से रेत, गिट्टी, सहित माल वाहन के रूप में उपयोग करते हुये देखे जा रहे है। बताया जाता है कि ट्रेक्टर ट्रालियो में सिंग्नल न होने तथा अनेक ट्रेक्टरों में मात्र एक ही लाईट जलाने के साथ साथ इन्हे जिस तेज गति से दौड़ाया जाता है कि रात के समय सड़क दुर्घटनाओं को अंजाम देने से नही चूकते है। नियम के अनुसार बताया जाता है कि खेती किसानी का काम करने वाले किसानों द्वारा ट्रेक्टर ट्राली खरीदने पर शासन ने उन्हे कर मुक्त की श्रेणी में रखा गया है? अगर कोई व्यक्ति ट्रेक्टर ट्राली खरीदकर उसका व्यावसायिक उपयोग कर रहा है तो उसे ट्रेक्टर ट्राली का अलग अलग पंजीयन करना होता है। इसके लिये परिवहन विभाग में बतौर पंजीयन प्रत्येक दो साल बाद पंजीय का रिन्युअल करना जरूरी होता है। इसी के चलते लोगों द्वारा खरीदे गये ट्रेक्टर ट्रालियों का पंजीयन मात्र कृषि कार्यो के नाम पर कराते हुये उनका दुरूपयोग करने से नही चूक रहे है। जबकि नियम के अनुसार यदि किसी ट्रेक्टर ट्राली का पंजीयन कृषि कार्य के नाम पर हुआ है तो उसका उपयोग सिर्फ खेती किसानी से जुडे हुये कार्य में ही किया जा सकता है। मगर संबंधित विभाग तथा स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम है कि क्षेत्र में कृषि कार्य के नाम पर दर्ज इन ट्रेक्टर ट्रालियों का उपयोग कृषि कार्यो में नाम मात्र तथा व्यावसासिक कार्यो में अधिक होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते जहां क्षेत्र में घटित होने वाही सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मामले इस तरह व्यावसायिक धंधे में लगे हुये इन ट्रेक्टर ट्रालियों का परिणाम देखने मिलते है तो दूसरी ओर इससे परिवहन विभाग को हर माह लाखों रूपया के रूप में टैक्स रूपी राजस्व की क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? इतना ही नही इस तरह कमर्शियल रूप से उपयोग होने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर के शासकीय चिकित्सालय मार्ग हो या फिर अन्य मार्ग पर मिट्टी लेकर जिस तरह नाबांलिगों द्वारा उन्हें तेज गति से तरह दौड़ाया जाता है कि मानो यहां पर कोई प्रतियोगिता का आयोजन चल रहा हो.....? बताया जाता है कि शहर में मिट्टी ढोने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों का नियम होता है कि जो ट्रेक्टर ट्राली अधिक चक्कर लगाते हुये मिट्टी डालेगा उसे अधिक पैसा मिलेगे। क्योंकि मिट्टी ढोने वाले ट्रेक्टर ट्रालियों के लिये राउंड के हिसाब से भुगतान किया जाता है इसी के चलते यह इन ट्रेक्टरों के मालिक व चालक दोनों अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये दूसरों की जिन्दगी के साथ खुला खिलबाड़ करने से नही चूक रहे है। यदि देखा जावे तो शहर की गलियों में फर्राट मारते हुये मिट्टी ढोने वाले इन अधिकांश ट्रेक्टर ट्रालियों को नाबांलिग व बगैर लाईसेंसधारी चालक ही दौड़ाते हुये देखे जाते है? कभी भी तो स्थिति इस तरह से देखने मिलती है कि सड़क पर दौड रहे ट्रेक्टर ट्रालियों के चालकों के एक हाथ में मोबाईल फोन तो दूसरे हाथ में स्टीयरिंग होता है इस सच्चाई से ही अनुमान लगाया जा सकता है कि आखिरकार हर वर्ष पुलिस विभाग द्वारा चलाये जाने वाला सड़क सुरक्षा सप्ताह कहा तक सफल माना जा सकता है?

एक ही बैंक के भरोसा निर्भर होने से सालीचौका क्षेत्रवासियों को नहीं मिल पा रहा शासन की योजनाओं का लाभ

सालीचौका। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार की जनहितैषी योजनाएं चलाते हुए उनका भला किया जा रहा है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में शासन द्वारा बरती जा रही जरूरी चीजे उपलब्ध नही कराये जाने के कारण ग्रामीण जन इसका लाभ नही ले पा रहे है? जिसके प्रमुख रूप से देखा जावे तो सरकार द्वारा चलाई जा रही लगभग सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए हर व्यक्ति का बैक में खाता होना जरूरी है जिसके लिए कुछ राष्ट्रीयकृत बैकों को शामिल किया गया है। मगर सालीचौका में अभी तक न तो कोई बड़ी बैक की स्थापना हो पाई है और न हो कोई प्रयास होते हुये देखे जा रहे है संपूर्ण क्षेत्र की जिम्मेदारी यहां पर स्थिति मात्र एक छोटी यूको बैक के भरोसे ही चलते हुये देखी जा रही है जो क्षेत्रवासियों को अपने लेनदेने के लिये परेशान होते हुये देखा जाता है। जबकि देखा जावे तो सालीचौका से क्षेत्र में आधा सैकड़ो से भी अधिक गांव जुडे होने के साथ साथ यहां पर अनेक शुगर मिले, राईस मिलों के आलवा पुलिस थाना, हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल सहित शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र सहित रेलवे स्टेशन स्थापित है। मगर इसके बाद भी यहां पर संपूर्ण कार्य मात्र एक छोटी बैक के भरोसे संचालित होने के कारण लोगों को न तो समय पर शासन की योजनाओं को लाभ मिल पा रहा है और न ही क्षेत्रवासी अपना जरूरी लेनदेन कर पा रहे है? इस स्थिति में क्षेत्र के लोगों को मजबूरी बस गाडरवारा या फिर चीचली भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। जबकि यहां पर भारतीय स्टैट बैक या फिर अन्य कोई दूसरी राष्ट्रीयकृत बैक की स्थापना होना अति जरूरी समझा जाने लगा है। बताया जाता है कि सालीचौका में मात्र एक बैक होने के कारण जहां आमजन बैक के अधिकारियों के रवैया को लेकर परेशान होते हुये देखे जाते है तो जब कोई व्यक्ति अपने खाते से अधिक राशि निकालने के लिये पहुंचता है तो उसे अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझना पड़ता है। कहने के लिये तो यहां पर एटीएम स्थापित किया गया है मगर आये दिन उसमें रूपयों का आभाव यानि की खाली पड़ रहते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है..? इस तरह सालीचौका क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुये यहां पर अन्य दूसरी बैक की स्थापना होना अति आवश्यक महसूस किया जाने लगा है? क्योंकि मात्र एक बैक होने के कारण जहां शासन द्वारा सभी कार्य बैक के माध्यम से कर दिये इस स्थिति के चलते जब कोई उपभोक्ता बैक पहुंचता है तो यहां के अधिकारियों का रवैया किसी महाराजे से कम नही होता है..? अधिकारियों के रवैया के चलते आमजन इस तरह का महसूस करते हुये दिखाई देता है कि वह अपने खाते से नही बल्कि बैक अधिकारी से साहूकारी के रूप में कर्ज लेकर जा रहा हो।

सड़कों पर पड़ी सामग्री से हो रहे आवागमन अवरूद्ध

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लोग नगर की सड़कों सहित सार्वजनिक स्थलों को अपने निजी स्वार्थो के लिए उपयोग कर रहे है उसके चलते यह जान पड़ने लगा है कि शायद अब इस नगर का भगवान ही मालिक है? क्योंकि मुख्य सड़कों पर तहां तहां पड़ी निर्माण सामग्री अथवा समारोहों को टेन्ट आदि भी आवागमन को अवरूद्ध करते हुए देखे जा रहे है, वही संकीर्ण चौड़ाई वाले क्षेत्रों में या तो फुट पाथी दुकानदार बैठकर संकीर्णता पैदा करते हैं अथवा सड़कों पर डली निर्माण सामग्री या गंदगी भी ऐसा अवरोध पैदा करती हैं, सड़कों का इस तरह का उपयोग नई बात नहीं है, हालांकि ऐसा करना वैधानिक भी नहीं है? परंतु कार्यवाही के अभाव में ऐसा किया जाना वैधानिक जैसा लगने लगा है और करने वाला अपना अधिकार समझने लगा है, जिसका परिणाम है कि नगर में सड़कों पर यत्र चत्र निर्माण सामग्री भरी पड़ी रहती है, यह निर्माण सामग्री निजी मकानों की भी है या नगर पालिका के द्वारा ही फैलाये जाते हैं, निर्माणाधीन सड़क का आधा भाग ऐसी सामग्री के चलते अवरूद्ध रहता है वहीं शेष आधी सड़क से आने जाने वालों का मुश्किलों के साथ यातायात हो पाता है जो कष्टदायक व परेशानी भरा होता है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछेक सड़क किनारे बने मकानों के बाशिंदे भी सड़क को आंगन के रूप में इस्तेमाल करने से नहीं चूकते,उनके भवन या अन्य कार्यों की सामग्री महिनों सड़कों पर पड़ी यातायात को अवरूद्ध करती रहती है वही अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा निजी स्वार्थ के चलते अपने भवनों के निर्माण हेतु लाई गइर रेत भी सड़को पर डाल दी जाती है और यह रेत फैलती रहती है। इस रेत से वाहन स्लिप भी होते हैं पर डालने वालों की किसी को परवाह कभी नहीं होती, सड़कों के किनारे अक्सर निकासी नालियों का कचरा भी इकट्ठा कर दिया जाता है, यह कचरा न केवल बदवू पैदा करता है वरन आवागमन भी अवरूद्ध करता है, मुख्य मार्ग वैसे भी संकीर्ण नजर आने लगे हैं, उन पर इन मार्गों के इस तरह के उपयोग से मार्गों की संकीर्णता और बढ़ जाती है नगरपालिका के पास यह अधिकार है कि वह सडकों पर डले ऐसे सामानों को जब्त कर ले पर वह अपने अधिकारों के उपयोग को करने में कंजूसी करती है,उपेक्षा है कि कल से कम व्यस्त और मुख्य सड़क मार्गों के ऐसे अवरोधों को दूर करने के प्रयास किये जायें ताकि आवागमन अवरूद्ध न हो।

शासन की राशि की खुलेआम खेली जा रही होली, एक साल तक नहीं चल पाये एनजीओ द्वारा बनाये गये स्टाप

गाडरवारा। सरकार द्वारा विकास कार्यो के साथ साथ पानी रोकने के लिए हर वर्ष करोड़ो रूपया तो जरूर खर्च किये जा रहे है, जिसके चलते जहां तहां किये जा रहे निर्माण कार्यो को पूर्ण करने का जिम्मा या तो निजी कंपनियों को सौपा गया है या फिर एनजीओं के माध्यम से कराया जा रहा है, मगर इन एनजीओं व निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों द्वारा किये जाने वाले इन निर्माण कार्यो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लाखों रूपया खर्च होने के बाद वह निर्माण कार्य अपने एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करते हुए भी दिखाई नही दे रहे है जिसको देखकर शासकीय राशि की खुलेआम होली खिलते हुए जान पड़ रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगली क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि बीते हुये वर्ष एक एन जी ओ द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुए स्टाप डेमों सहित तालाबों को जिस प्रकार से निर्माण कार्य किया गया है उस निर्माण कार्य की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र एक औपचारिकता ही जान पड़ रहा है? अनेक जगहों पर तो सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि चंद दिनों पहले बनाये गये स्टाप डेमों पर शायद पानी भी नही भर पाया होगा और उनकी दिवारे दो भागों में विभाजित हो जाने के कारण इन निर्माण कार्यो की गुणवत्ता स्वयं ही बताने से नही चूक रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जंगल क्षेत्र में बनाये गये तालाबों के निर्माण कार्यो में देखी जा रही है, जहां पर बताया जाता है कि अनेक जगहों पर तो इस प्रकार के ऊंचे स्थलों पर तालाब निर्माण कर दिये गये है जहां बारिश के दिनों में पानी पहुंचने की कल्पना कर पाना भी मुश्किल बात है, वही इन निर्माण कार्यो में लगाई गई रेत व अन्य सामग्री की सच्चाई को लेकर भी अनेक संदेह पैदा होने से नही चूक रहे है, इस प्रकार से जल रोकने के लिए कराये गये निर्माण निर्माण कार्यो की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाले सच्चाई उजागर होने से नही बच पायेगी?

योजनाओं से वंचित है कृषक, अधिकारी नही देते है ध्यान?

सिहपुर छोटा। वैसे देखा जावे तो सरकारों ने कृषकों के लिए अनेक लाभ कारी योजानायें तैयार की है और कृषकों के हित ओर संरक्षण का दावा समय समय पर किया जाता है। लेकिन यह एक सोचनीय पहेलू है कि इन योजनाओ का लाभ कृषको तक कैसे पहुंचता है? ऐसा लगता है कि कृषको के हित संरक्षण हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता बढ़ती जा रही? ज्ञातव्य है कि सरकार ने कृषको की सहायता मार्ग दर्शन तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत तकनीको से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग बनाया है, लेकिन ग्रामीण अंचलों में कृषकों को विभाग द्वारा जानकारी सुलभ नही कराई जा रही है, जिससे समसमायिक जानकारी कृषकों को नही मिलती है। कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण शासन की अनेक लाभकारी योजनाओं का लाभ कृषकों को नही मिल पा रहा है, जिससे उनकी कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। क्षेत्र के कुछ रोषित कृषको ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ साधन सम्पन्न कृषकों को दिया जाता है, जिससे गरीब कृषक शासन की योजनाओं से वंचित रह जातें है। पूर्व में भी अनेको बार जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियो को ध्यान कृषि विभाग के अधिकारियों की मनमानी कार्यप्रणाली की ओर आकर्षित किया गया था, जिस पर कुछ दिन तो विभागीय अधिकारी चोकन्ने हुए थें, किन्तु धीरे धीरे पुनः उसी चाल में आ गये है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के आकाशवाणी केन्द्रों से ग्रामसभा कार्यक्रम में कृषि से संबंधित जानकारियां ग्रामीणजनो को दी जा रही है, जिसमें इन जानकारियों में लगभग सभी प्रकार की फसलों की अधिक पैदावार लेने से गुड, फसल बीमा, जैविक फसल व रबी फसलो का कीटों से बचाव गोबर गैस आदि विषयों की सूक्ष्म जानकारी दी जाती है। गौरतलब है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति ग्रामीण कृषि विस्तार अंचलों में हुई है, परंतु यदि गणना की जाये तो पता चलता है कि अधिकतर अधिकारी अपने मुख्यालय को छोड़ समीपस्थ कस्बो व नगरों में निवास कर रहे है, जिससे विभागीय अधिकारी भी परिचित है।

बिना नम्बर के चल रहे सैकेडों टैक्ट्रर से दुर्घटना की बनी आशंका

नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है। इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्टरों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है? टैक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है। वही अवैध उत्खनन के समय छापे के दौरान टेक्टर चालकों और मालिकों के भाग जाने से अवैध उत्खनन करने वालों की जानकारी भी आसानी से नही मिल पाती है? संबंधित विभाग की लापरवाही के चलतें जहां क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से दौड़ रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए। क्योंकि इस समय यह भी देखा जा रहा है कि ट्रेक्टर चालको द्वारा रात के समय ट्रेक्टर का उपयोग करते समय सामने का एक ही लाईट चालू किया जाता है।

राज्य, राष्ट्रीय खिलाड़ी सहित सी.बी.एस.ई.के खिलाड़ी हुए सम्मनित

सिवनी। जिले की अग्रणी शेक्षणिक संस्था उदय पब्लिक स्कूल सिवनी (स्व.श्रीमती वदनबाई ,जतन बाई मालू मेमोरियल सोसाइटी द्वारा संचालित) सी.बी.एस.ई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय में छात्र छात्राओ के सर्वांगीण विकास एवं उनके अन्दर छुपी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित किये जाते है। इसी क्रम में विद्यालय में 2 दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया ।

ज्ञातव्य है की सिवनी जिले में शिक्षा की क्षेत्र मे 18 वर्षो से सेवा प्रदान करने बाली सी.बी.एस.ई से मान्यता प्राप्त संस्था को उत्कृष्ट शिक्षण प्रदान करने के साथ साथ अन्य गतिविधियों जेसे खेलकूद , सांस्कृतिक , सामाजिक, स्काउट आदि में ध्यान दिया जाता है एवं विद्यार्थियों को इनमे सम्मलित करके उनके अंदर छुपी हुई बहुमुखी प्रतिभा को निखारने में विशेष ध्यान दिया जाता है । विद्यालय के खेल प्रशिक्षक सोहन लाल सेन ने बताया की विद्यालय के प्रचार्य राघवेंद्र ठाकुर के मार्गदर्शन में विद्यालय छात्र छात्राओं के मध्य विभिन खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन किया एवं दो दिवसीय खेल महोत्सव का भी आयोजन किया गया । सर्वप्रथम पूरे माह खेलो का आयोजन किया गया जिसमें बास्केटबॉल, स्केटिंग, अर्चरी तीरंदाजी, फुटबॉल, हैंडबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, एथेलेटिक, जिम्नास्टिक, बॉक्सिंग , वुशु खेलो की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ।एवं दो दिवसीय खेल आयोजन कें प्रथम दिवस मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता मालू, उमंग मालू , राधिका मालू , प्राचार्य राघवेंद्र ठाकुर ने सरस्वती माता का पूजन एवं दीप प्रज्वलित किया । इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया । अतिथियों का स्वागत विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा किया गया । नर्सरी के बच्चो ने जंगल जंगल बात चली है मोगली थीम ,कक्षा 5 वी के छात्रों ने पीटी, कक्षा 2 के छात्र छत्राओ ने रिविन पिटी, एलकेजी एवं यूकेजी, के छात्र छत्राओ ने खेलो पर आधारित सास्कृतिक,कक्षा 1 के छात्र छत्राओ ने फ्लैग पीटी, कक्षा 4 के छात्रों ने अम्ब्रेला पीटी, कक्षा 4 एवं 5 की छात्राओं ने एरोबिक्स, कक्षा 3 री के छात्र छत्राओ ने योगा, कक्षा 3 री के छात्रों ने रिंग पीटी की प्रस्तुति दी एवं खेलो में विजेता खिलाडीयो को प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान किये गए ।दूसरे दिवस मुख्य अतिथि पवन मालू, संगीता मालू, उमंग मालू , राधिका मालू एवं प्राचार्य राघवेंद्र ठाकुर ने ध्वजारोहण कर खेल महोत्सव का प्रारंभ किया इसके पश्चात विद्यालय की परेड जिसमे स्काउट गाइड , विद्यालय के हॉउस आज़ाद, रमन, टैगोर, विवेकानंद के छात्र, एवं खिलाड़ियो के टूप समल्लित रहे परेड निरीक्षण पश्चात परेड की सलामी अतिथियों ने ली ।फिर राज्य एवं रास्ट्रीय खिलाड़ियो ने मशाल को ग्राउंड में घुमाया, कक्षा 6वी के छात्र छत्राओ ने बाम्बू पीटी, कक्षा 8वी के छात्रों ने मार्शल आर्ट

घूरवाड़ा ग्राम में समाजकार्य के छात्रों ने किया क्षेत्रीय भ्रमण

हरिभूमि न्यूज:सिवनी।मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के द्वारा ब्लॉक समन्वयक श्रीमती रीता वर्मा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में परामर्शदाता प्रवेश कुमार सारठे के द्वारा ब्लॉक लखनादौन के सैक्टर धूमा की ग्राम पंचायत घूरवाड़ा में स्वच्छता का जीवन में महत्वर कार्यक्रम का आयोजन हाइस्कूल घूरवाड़ा में किया गया जिसमें बच्चों को अपने छात्र जीवन में साफ सफाई रखने के बारे में बताया गया ओर यह भी बताया गया कि वे स्वयं,अपने घर,अपने आसपास को स्वच्छ रखे जिससे वे स्वस्थ्य रह सके।इसके साथ ही एक गतिविधि कराई गई जिसमें बताया गया कि प्राकृतिक तत्वों को कितना उपयोग करना चाहिए जिससे वातावरण संतुलित रह सके और सबकी जरुरते भी पूरी हो सके।इस कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक श्रीमती रीतावर्मा श्रीवास्तव, हाइस्कूल के प्राचार्य सहित समस्त स्कूल कर्मचारीगण,मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के समाज कार्य के छात्र जितेंद्र मरावी,लोकमन,नीरज अहिरवार, पूनम राय, गौरा चीचले,अंजो मर्सकोले,चंद्रभान काकोड़िया, प्रेमलता अहिरवार,राजकुमारी नागेश,श्यामा झारिया,अर्चना धुर्वे,नीतू कामरे,संजय चक्रवर्ती उपस्थित रहे।इसके साथ ही सभी छात्रों को उप स्वास्थ्य केंद्र घूरवाड़ा का भ्रमण कराया गया

खबर संक्षेप

मोटर साइकिल की टक्कर से बाइक सवार दो लोग हुए घायल

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी। अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कमरासोढा में मोटर साइकिल की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए, जिनको उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। फरियादी राजेश कुमार अहिरवार पिता भूरालाल अहिरवार उम्र 27 साल निवासी ग्राम भटगांव थाना निवास जिला मंडला ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि रवि कुमार पिता भूरालाल अहिरवार मेरा छोटा भाई है, जो ग्राम भटगांव थाना निवास जिला मंडला में रहता है। शुक्रवार को मुझे शाम करीबन 4.30 बजे फोन आया कि मेरे भाई रवि कुमार का एक्सीडेंट ग्राम कमरासोढा मे हो गया है और उसे जिला अस्पताल डिण्डौरी ले जाया गया है। मैं तत्काल जिला अस्पताल पहुंचा तो गांव की सावित्री बाई द्वारा बताया गया कि मै रवि कुमार अहिरवार के साथ बैठकर सक्का से कमरासोढा जा रही थी। कमरासोढा बस्ती में क्रांति धुर्वे के घर के पास पहुंचने पर कमरासोढा से निकल रही मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 52 एमडी 5219 के चालक द्वारा मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार एक्सीडेंट कर दिया गया, जिससे मुझे बाये पैर के टखना, छाती मे अंदरूनी दर्द व सूजन है। रवि कुमार को दाहिने गाल, जबडा मे सूजन, दाहिने आंख मे सूजन, दाहिने पैर की पिंडली मे चोट है एवं वह बेहोशी की हालत मे है।

तार चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार

उमरिया। जिले के चंदिया थाना में 30 नवम्बर को फरियादी मो. असलम रिपोर्ट दर्ज कराई कि फरियादी प्राइवेट विद्युत विस्तार कार्य एवं ठेकेदारी कार्य करता है, ग्राम सलैया, बांका, अंचला एवं ताली तरफ बिजली खंभे पर तार जोडने का कार्य चल रहा है । 30 नवम्बर की शाम फरियादी के ग्राम सलैया के सरपंच का फोन आया और बोले कि दो लोग खंभे पर लगे तार का काटकर अपने साथ ले जा रहे थे, जिनमें से एक गांव वालो की मदद से पकड़ लिया गया एवं 01 मौके से फरार हो गया है, जिसकी सूचना 100 डायल पर भी दी गई थी, पुलिस द्वारा फरियादी की रिपोर्ट आरोपियों के विरूद्ध मामला कायम कर विवेचना में लिया गया ।

गुजरात से गुम बालिका को खोजकर लाई पुलिस

उमरिया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम संवेदनशीलता के साथ महिला संबंधी अपराधो में तत्परता से कार्यवाही करते हुए लगातार गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं को विभिन्न प्रदेशो से सकुशल दस्तयाब कर रही है । इसी कड़ी में चौकी अमरपुर पुलिस टीम द्वारा गुम बालिका को जिला जामनगर, गुजरात से सकुशल दस्तयाब किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 23 सितम्बर को फरियादी निवासी ग्राम बकेली द्वारा अपनी 16 वर्षीय बालिका के बिना किसी की जानकारी के घर से कही चले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थाना इंदवार में मामला कायम कर विवेचना में लिया गया ।

समनापुर बीईओ उड़ा रहे नियमों की धज्जियाँ पद का दुरूपयोग कर शासन को लगा रहे चूना

कन्या शिक्षा परिसर के प्रभारी सह बीईओ शशि भूषण बघेल की मनमानी चरम पर

स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय एवं लोक शिक्षण संचानालय द्वारा अतिथि शिक्षक भर्ती हेतु जारी गाइड लाईन को दरकिनार भर्ती किया अतिथि शिक्षक

डिंडौरी

समनापुर विकास खंड शिक्षा अधिकारी का जिम्मा संभाल रहें कन्या शिक्षा परिसर समनापुर के प्रभारी शशि भूषण पर पद और अधिकारों का दुरूपयोग करने का गंभीर आरोप लग रहें हैं, समनापुर विकास खंड अंतर्गत संचालित अनेको स्कूलों में नियम विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की भर्ती कर शासन को क्षति पहुंचाया जा रहा हैं, लेकिन विकास खंड शिक्षा अधिकारी अतिथि शिक्षक भर्ती में व्याप्त मनमानियो पर बेखौफ होकर मुहर लगा रहें हैं। अतिथि शिक्षकों के भर्ती में बरती जा रही मनमानियो पर अंकुश लगाने स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय एवं लोक शिक्षण संचनालय द्वारा स्पष्ट सूबे के समस्त विभागीय अधिकारियों आदेश जारी कर दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप ही अतिथि शिक्षक भर्ती किए जाने हैं लेकिन पद के मद में मदमस्त अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जारी दिशा निर्देशों को ठेंगा दिखा खुलेआम मनमानी करते हुए शासन को चूना लगाने में आमादा हैं।

कन्या शिक्षा परिसर प्रभारी सह बीईओ उड़ा रहें नियमों की धज्जियाँ

विकास खंड अंतर्गत दूरदराज में संचालित स्कूलों में व्याप्त मनमानी की बात छोड़ भी दें लेकिन जब बीईओ ऑफिस के नजदीक संचालित एकीकृत माध्यमिक बालक शाला में 236 दर्ज संख्या के विरुद्ध 09 नियमित और 05 अतिथि शिक्षक नियुक्ति का मामला सामने आया था, विभागीय अधिकारी मामलें की जाँच की बात कह रहें थे, लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय गुजरने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई हैं।

कुछ ऐसा ही ताजा मामला समनापुर में संचालित कन्या शिक्षा परिसर का सामने आया हैं, विकास खंड शिक्षा अधिकारी शशि भूषण बघेल स्वयं कन्या शिक्षा परिसर के प्रभारी प्राचार्य हैं, परिसर में संचालित कक्षा 06 से 09 तक में 139 छात्राए दर्ज हैं, जिन्हे अध्यापन कराने 06 नियमित विषयबार शिक्षक पदस्थ हैं, दीपिका तिर्की प्रयोगशाला सहायक हिंदी पढ़ा रही हैं, भगवान सिंह लोधी प्रयोगशाला सहायक, विज्ञान, लता धुर्वे विज्ञान, उषा मरावी सामजिक विज्ञान, सुनील शुक्ला माध्यमिक शिक्षक हिंदी, समेत बीईओ शशि भूषण बघेल पदस्थ हैं, उच्च शिक्षा विभाग एवं लोक शिक्षण संचनालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों को धता बताते हुए बीईओ द्वारा 05 अतिथि शिक्षक नियुक्त कर शासन को प्रतिमाह लाखों रुपया का नुकसान पहुंचाया जा रहा हैं, गौरतलब हैं की जब गड़बड़ी के दलदल में बीईओ स्वयं धसे हुए हैं तो ब्लॉक के अन्य स्कूलों में साहब नियमों का कितना पालन करा रहें होंगे आंकलन किया जा सकता हैं।

नाबालिग बेटा चढ़ गया बाल मजदूरी की भेंट, करेंट लगने से हुई दर्दनाक मौत

खेत में सिंचाई करने के दौरान हुआ हादसा

डिंडौरी- बाल मजदूरी रोकने के लिए शासन प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयास जिले में नाकाफी साबित हो रहे हैं। जिले में बाल मजदूरी के मामले अक्सर सामने आते रहे है। इसी तारतम्य में जिले के समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां 14 साल के एक नाबालिग बाल मजदूर की मौत बिजली का करेंट लगने से हो गई। हालांकि घटना 28 नवंबर की है, लेकिन जानकारी लगने पर पुलिस ने अपराध कायम कर विवेचना में लिया है।

करंट लगने से मौत होना आया सामने

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार गंगूटोला निवासी हेतराम बर्मन के घर से सटे खेत में स्थित कुंआ से इलेक्ट्रानिक पंप से सिंचाई की जा रही थी जहां बाल मजदूर राजेष कुमार मरावी को विद्युत पंप बंद करने के लिए भेजा गया था लेकिन राजेष करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई । इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट में भी सामने आया है जहां चिकित्सक ने पीएम रिर्पोट में इलेक्ट्रिक शाक से मौत होना उल्लेखित किया है।

पिता की मृत्यु के बाद से कर रहा था मजदूरी -

मृतक की मां ननकी बाई ने पुलिस को की गई षिकायत में बतलाया कि पति माहूं सिह की लगभग चार माह पूर्व पानी में डूबने से मौत हो गई थी उसी समय से लडका राजेष मरावी का मन घर में नही लग रहा था जो रक्षाबंदन के समय गंगू टोला समनापुर के हेतराम बर्मन के घर में रहता था । समय समय पर घर आता जाता था हेतराम के घर पर मवेषी की देखरेख करता था । षिकायत में उल्लेख किया गया है कि 28 नवम्बर को दिन के चार बजे हेतराम बर्मन अपनी बोलेरो गाडी में अपने लडका उदित बर्मन व शानू बर्मन के साथ मेरे लडके को लेकर गांव पहुंचे थे राजेष मरावी को बीच सीट में बैठाया गया था जब देखी तो उसकी मौत हो गई थी ।

सबूत छिपाने का किया प्रयास-

मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग के मालिक हेतराम बर्मन ने घटना के बाद पुलिस से साक्ष्य छिपाने का प्रयास भी किया और पुलिस को घटना की सूचना दिए और बगैर पीएम कराए ही मृतक का शव स्वयं के वाहन से मृतक के घर पहुंचा दिया। मृतक के परिजनों को भी गुमराह किया जा रहा था जिसके बाद मृतक की मां को शंका हुई और वह अपने परिजनों के साथ शव को गाडी से उतारकर मोहल्ले पडोस में बतलायी । जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को लगी तब थाना प्रभारी ने मामले को सज्ञान में लेते हुए जांच पडताल शुरू की और घटना स्थल का मुआवना करते हुए शव का पीएम कराया गया जिसमें नाबालिग की मौत करंट लगने से होना पाया गया । जिसके बाद पुलिस ने बीएनएस 106 सहित बाल श्रम अधिनियम सहित विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है।

इनका कहना है -

जांच पडताल और पीएम रिर्पोट के आधार पर नाबालिग की मौत विद्युत करंट से होना पाया गया आरोपी के विरूद्ध बीएनएस की धारा , बाल श्रम अधिनियम सहित विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है । पीडित परिवार की हर संभव मदद की जायेगी ।

कामेश धूमकेती
थाना प्रभारी समनापुर

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष डीएलसीसी की बैठक संपन्न

डिंडौरी- कलेक्टर हर्ष सिंह की अध्यक्षता एवं शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे की उपस्थिति में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष डीएलसीसी की बैठक आयोजित हुई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एलडीएम रविशंकर सिंह सहित सभी विभागीय अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने वित्तीय वर्ष के द्वितीय क्वार्टर की प्रगति के संबंध में विभागवार जानकारी ली। उन्होंने सभी बैंको के सीडी अनुपात की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि जिले का सीडी अनुपात 51 प्रतिशत है, विधायक धुर्वे ने गोपालपुर, बिछिया सहित आदि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखा खोलने के लिए कहा। जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर बैंकिग सुविधा प्राप्त हो सके। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अटल पेंशन योजना, जन सुरक्षा रिपोर्ट , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ सभी आमजन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें, एवं स्थानीय लोगों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए संबंधित शासकीय योजनाओं की जानकारी दें। बैंक एवं विभाग सुलभ रूप से ऋण उपलब्ध कराएं। कलेक्टर हर्ष सिंह ने शेष लक्ष्यों की पूर्ति करने के लिए बैंक और विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता युक्त कार्य के लिए प्राथमिकता दें। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि जिस क्षेत्र में ऋण प्रदान किया गया है उस क्षेत्र में उसका बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में क्रेडिट कार्ड की लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग एवं बैंक ब्लॉक स्तर पर बैठकों में भाग लें और समस्या का निराकरण करें। लक्ष्य पूर्ति करने में लापरवाही करने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर जिम्मेवार अधिकारी कार्यवाही करना सनिश्चित करें।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को नहीं मिल पा रहा सही पोषण

महिला एवं बाल विकास विभाग की उदासीनता से आंगनवाड़ी केंद्रों के हाल बेहाल

डिण्डौरी - वैसे तो राज्य और केंद्र सरकार नौनिहाल बच्चो की बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भविष्य सवार रहे नौनिहालो की सेहत के लिए अनेक तरह के पोषण आहार का वितरण भी किया जाना सुनिश्चित किया गया है परंतु बजाग विकासखंड के अंतर्गत संचालित अधिकतर आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चे पोषण आहार से वंचित है महिला एवं बाल विकास की लापरवाही के कारण ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की आंगनवाड़ी केंद्रों में आज भी बच्चों की सेहत को नजर अंदाज कर गुणवत्ताहीन पोषण आहार तक बांटा जा रहा है वही विभाग की मॉनिटरिंग नही होने के कारण आंगनवाड़ी केंद्र अनियमितता के साथ संचालित हो रहे है विकासखंड के आंगनवाड़ी केंद्रों में तो स्वसहायता समूह की मनमानी भी सामने आई है कई केंद्रों में बच्चो को सुबह का नाश्ता भी नहीं दिया जा रहा है और कही दिया भी जा रहा है तो सिर्फ गुणवत्ताहीन सस्ती घटिया तेलों से बनी नमकीन या एक दो बिस्किट देकर बच्चों संतुष्ट कर दिया जाता है। हालांकि जानकारी के मुताबिक लगभग तीन महीनों से आंगनवाड़ी केंद्रों में नमकीन नहीं दी जा रही है सिर्फ बिस्कुट की आपूर्ति की जा रही है आंगनवाड़ी केंद्रों में नौनिहालों को दिया जाने वाला भोजन भी मीनू के अनुरूप नहीं मिल पा रहा है।विभाग की अनदेखी की वजह से नौनिहाल बच्चो को खाने पीने का प्रलोभन देकर पढ़ने के लिया बुला तो लिया जाता है लेकिन बच्चों को शासन की योजनाओं के तहत निर्धारित पोषण आहार और गुणवत्तापरक भोजन या नाश्ता नहीं दिया जा रहा है आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन में सिर्फ खानापूर्ति ही नजर आ रही। महिला बाल विकास कार्यालय में बैठे जिम्मेदार जानकर भी अनजान बने हुए है। ऐसा ही दृश्य सामने आया सारंगपुर ग्राम पंचायत के बैगा बाहुल्य ग्राम तुर्री टोला में जहां बैगा जनजाति के छोटे छोटे बच्चों को सुबह से केंद्र में पढ़ने के हेतु बुला लिया गया लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता दोपहर बारह बजे तक केंद्र में नहीं पहुंची। केंद्र की वृद्ध सहायिका ने बताया कि मैडम तीन चार किमी से पैदल आना जाना करती है इसलिए कभी लेट हो जाती है केंद्र में बच्चो को नाश्ता नहीं दिया गया था बच्चों को सिर्फ पैकेट वाला एक एक मुट्ठी अनुपूरक पोषण आहार बांटा जा रहा था सहायिका ने बताया कि बिस्कुट खत्म हो गई है खाने में भी सिर्फ दाल चावल दिया जा रहा है यह एक आंगनवाड़ी की कहानी नहीं है विकासखंड के अंतर्गत संचालित ज्यादातर आंगनवाड़ी के यही हाल है।

यातायात के नियमों के बारे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

डिंडोरी। ग्रामीण क्षेत्रों में घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं तथा उनसे होने वाली जनहानियों में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में यातायात जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में आज रविवार 01 दिसम्बरको साप्ताहिक बाजार के दिन दूर-दराज एवं ग्रामीण अंचलों से आये लोगों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियमों की जानकारी देने एवं यातायात के नियमों का पालन करने के लिये जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात थाना प्रभारी श्री सुभाष उइके एवं सिंहपुर (शहडोल) निवासी समाजसेवी श्री प्रकाश राव ने अपनी टीम के साथ नुक्कड नाटक के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया । जिसके तहत डिण्डौरी शहर के भीड़ भाड़ वाले चैराहों अवंती बाई चैक, समनापुर तिराहा, पुरानी डिण्डौरी तिराहा में नुक्कड नाटक के माध्यम से लोगो को यातायात के नियमों की जानकारी दी गयी तथा लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिये जागरूक किया।

मैया अभियान के तहत की गई घाटों की साफ सफाई

डिण्डौरी

मां नर्मदा व घाटों की साफ सफाई मैया अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को की जाती हैं। इस रविवार को मैया अभियान की टीम के साथ भवतारिणी घाट और आसपास की गई साफ सफाई कार्य में कल्चुरी समाज ने अपना विशेष योगदान दिया। साफ सफाई करते हुए मां नर्मदा की स्वच्छता बनाए रखने का प्रण लिया। भवतारिणी मंदिर से पुल तक सफाई कर लोगो को जागरूक किया गया। स्वच्छता अभियान में कल्चुरी समाज के जिला अध्यक्ष मनीष राय, सचिव हरिओम चैकसे , संरक्षक गोपाल चैकसे, संगठन मंत्री स्कंद चैकसे, कोषाध्यक्ष माधव राय, रामबिहारी चोकसे, अनुराग चैकसे, मनोज चैकसे, जिला युवा अध्यक्ष विवेक , मनु चैकसे, सचिन चैकसे सम्मिलित थे।

एड्स जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डिण्डौरी- शासकीय महाविद्यालय करंजिया में आज दिनांक 29 नवंबर 2024 को मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण समिति के आदेशनुसार महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत रेड रिबन क्लब के द्वारा एड्स जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय प्राचार्य प्रमोद कुमार वासपे के निर्देशन में पोस्ट निर्माण व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सर्वप्रथम वनस्पति विभाग के डॉ प्रेम शंकर साहू ने वर्तमान परिपेक्ष्य में एड्स के विषय छात्र छात्राओं को विस्तार से बताया और साथ ही एड्स के रोकथाम संबंधी विषय पर जागरूक किया पोस्ट निर्माण प्रतियोगिता में भी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया जिसमे खुशबू मसराम में प्रथम, ज्योति पेन्द्रों द्वितीय और विमल मसराम तृतीय स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम का सफल संचालन रेड रिबन प्रभारी डॉ प्रीती पांडेय ने किया कार्यक्रम में डॉ के के द्विवेदी ,डॉ श्रवण तिवारी ,प्रो रूपेश सिंह,नीलेश दुफारे , राष्ट्रीय सेवा योजना से स्वयंसेवक छोटू धुर्वे और रेड रिबन सदस्यों की भी भूमिका महत्वपूर्ण रही कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ के साथ-साथ छात्र छात्राओं ने भी भाग लिया ।

शराब पीने के लिए पैसा न देने पर युवक से की मारपीट

डिंडौरी

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुड़की निवासी एक युवक से शराब पीने के लिए पैसा न देने पर दो लोगों ने मारपीट कर दी। फरियादी संजय सिंह कुशराम पिता बन्नू सिंह कुशराम उम्र 30 साल ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि मैं जेसीबी चलाने का काम करता हूं। मैने शनिवार को ग्राम मुडकी में वसीम के प्लाट में जेसीबी चलाया था, जिसका पैसा लेना बाकि था। शाम को वसीम ने फोन कर काम का पैसा लेने के लिये मुझे अवंती बाई के पास मछली मार्केट के सामने बुलाया था। रात करीब 7 बजे जब मैं वसीम के पान ठेले में गया तो वहां पर डिंडौरी का चंदन चैधरी और नरेन्द्र चैधरी खड़े थे, जो मुझे बोले कि बहुत काम किया है। पैसा कमा रहा है, हमे भी दारू पीने के लिये पैसा दो, मैं बोला कि मै तो अपनी मजदूरी का पैसा लेने आया हूं। इस पर दोनों गाली गलौच करने लगे। मैने दोनों को गाली देने से मना किया तो नरेन्द्र चैधरी मुझे हाथ मुक्का से मारपीट करने लगा। चंदन चैधरी ने मुझे वहीं पास में पड़े पत्थर को उठाकर मेरे सिर माथे में मार दिया। दोनों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पत्थर लगने से मेरे सिर से खून निकलने लगा। मैने हल्ला किया तो राम लाल, वसीम खान, वसीम के पिता ने आकर बीच बचाव किया। इसके बाद दोनों गाली गलौच करते हुए चले गए।सिर में चोट होने के कारण मैने डिंडौरी अस्पताल में अपना ईलाज करवाया हूं। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर धारा 119(1), 296,115(2), 351 (3), 3(5) बीएनएस का अपराध कायम कर विवेचना में लिया है।

पंकज तेकाम ने बजाग मंडल का किया दौरा

डिंडोरी।अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह तेकाम ने हाल ही में बजाग मंडल का दौरा किया, जहां उन्होंने बूथ अध्यक्ष कुलदीप नंदा का तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया।इस दौरान, पंकज सिंह तेकाम ने पडरिया डोंगरी सरपंच के यहां बन रहे प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण किया और मंडल महामंत्री दिगम्बर पाठक के साथ कुशलता और उनकी बेटी की शादी पर चर्चा की।यह दौरा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं को समझने के लिए किया गया था। पंकज सिंह तेकाम ने लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

बिरसा मुंडा स्टेडियम में राजस्व विभाग और वन विभाग के मध्य क्रिकेट मैच का हुआ आयोजन

डिंडोरी । रविवार को प्रातः बिरसा मुंडा स्टेडियम में राजस्व विभाग और वन विभाग के मध्य मैत्री क्रिकेट मैच आयोजन किया गया। मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन खेल और फिटनेस को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से किया गया। राजस्व टीम का नेतृत्व कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने किया, वहीं वन विभाग टीम की कप्तानी वन मण्डलाधिकारी श्री पुनीत सोनकर ने की। क्रिकेट मैच के लिए 15 ओवर निर्धारित किया गया। राजस्व विभाग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाये। जिसके जवाब में वन विभाग की टीम ने लक्ष्य पीछा करते हुए 7 विकेट खोकर अपनी जीत दर्ज की। कलेक्टर हर्ष सिंह ने मैच के बाद वन विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल के माध्यम से फिटनेस स्तर अच्छा रहता है, साथ ही खेल मनोरंजन का भी अच्छा साधन है।

राजस्व विभाग की टीम से सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे, इसी प्रकार से वन विभाग की टीम में वनमंडलअधिकारी (उत्पादन) श्री हरिओम, आईएफएस प्रशिक्षु ध्रुव श्रीवास्तव, एसडीओ वन एस के जाटव सहित अन्य वन विभाग के अधिकारी शामिल रहे। साथ ही इस आयोजन में जिला खेल अधिकारी श्री अहमद खान, खेल प्रशिक्षक श्री चेतराम अहिरवार भी उपस्थित रहे।

ग्राम बरसिंघा में पंचायती एवं ओपन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

अमरपुर। विकासखंड अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत बरसिंघा माल में पंचायती एवं ओपन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 1 दिसंबर को कमल टोला खेल मैदान बरसिंघा में पंडित नरेश पाठक द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन एवं सामाजिक कार्यकर्ता जे. एस. पट्टा द्वारा फीता काटकर किया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को खेल नियमों का पालन करते हुए खेलने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों द्वारा बताया गया कि इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को 15000 रूपए व कप एवं उपविजेता टीम को 7500 रुपए नकद व कप प्रदान किया जाएगा। जिसमें सभी क्षेत्रीय टीमों से इंट्री शुल्क 555 रूपए जमाकर शामिल होने की अपील की गई हैं। शुभारंभ मैच के दौरान आयोजन समिति अध्यक्ष धनेश्वर गौतम, उपाध्यक्ष हेमराज बनवासी, धनेश्वर धूमकेती, राम कुमार मार्को, उमेश ठाकुर, सुखदीन पट्टा सहित आयोजक समिति के समस्त सदस्यों के अलावा भारी संख्या में खेल प्रेमीजन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

समृद्ध सेरेनिटी डे केयर क्लिनिक में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

गोटेगांव। नगर के स्थानीय नया बस स्टैंड के पास मुख्य मार्ग पर स्थित समृद्ध सेरेनिटी डे क्लीनिक में 1 दिसंबर को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सुबह 10:00 बजे से 2 बजे तक मरीजों की निशुल्क जांच हुई।कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टर के द्वारा ब्लड प्रेशर शुगर और फेफड़ों की जांच आधुनिक मशीनों के द्वारा की गई साथ ही जरूरतमंदों को निशुल्क परामर्श भी दिया गया।गोटेगांव का यह पहला क्लीनिक है जहां पर सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध हैं पैथोलॉजी लैब, मेडिकल स्टोर्स नेबुलाइजर जांच, ई सी जी जांच उपलब्ध है। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने निःशुल्क जांच कराई और डॉक्टर से परामर्श लेकर स्वास्थ्य लाभ लिया।

सिद्धघाट में आज से श्री रामकथा एवं सीताराम महायज्ञ का आयोजन

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम नोनी करेलीकला के पास स्थानीय सिद्धेश्वर धाम रामानंद संत आश्रम मां नर्मदा दक्षिण तट सिद्धघाट में विश्व कल्याण एवं भगवत प्राप्ति हेतु श्री सीताराम महायज्ञ का आयोजन गुरु भक्तों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें श्री सीताराम नाम संकीर्तन एवं राम कथा का नौ दिवसीय आयोजन 2 दिसंबर से 10 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस धार्मिक महा आयोजन में कथावाचक परम पूज्य वैद्यऋषि श्री सीताराम दास महाराज श्रीधाम वृंदावन वाले अपने मुखारविंद से रामकथा का श्रोताओं को रसपान कराएंगे। साथ ही साथ महायज्ञ में हवन आहुति दी जाएगी इस धार्मिक कार्यक्रम की आयोजन में यज्ञ आचार्य पंडित अशोक शास्त्री ललन महाराज कटनी वाले एवं समस्त ग्रामवासीयों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

उद्यम योजना व स्वरोजगार योजना के लिए भौतिक लक्ष्य आवंटित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वित्तीय वर्ष 2024- 25 में मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण उद्यम योजना के अंतर्गत 40 और स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 175 का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है। पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र व्यक्ति अपना आवेदन कर सकते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के लिए नवीन उद्योग विनिर्माण सेवा व्यवसाय स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री उद्यम योजना के तहत योजना का लाभ लेने के लिए केवल नवीन उद्यमों की स्थापना के लिए देय होगा। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत योजना का लाभ केवल सभी प्रकार के नवीन स्वरोजगार के लिए देय होगा। आवेदक योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक की परियोजना के लिए आवेदन कर सकता है। आवेदन की आयु 18 से 55 वर्ष होना चाहिये और आवेदक आयकर दाता नहीं हो।

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना का लाभ लेने के लिए जिले के मछुआरों का पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हितग्राही का पंजीयन होना अनिवार्य है। सहायक संचालक मत्स्योद्योग नरसिंहपुर ने बताया कि जिले के समस्त तालाब जलाशय के पट्टाधारकों, मछुआ समिति समूहों के समस्त सदस्यों, मत्स्य पालकों, मत्स्य पालन में संलग्न स्वसहायता समूहों के सदस्यों, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से लाभांवित हितग्राही एवं अन्य किसी भी प्रकार से मत्स्य उद्यम व्यापार से जुड़े व्यापारी से आग्रह किया है कि वे एमपी ऑनलाइन सीएम सेंटर के माध्यम से या स्वयं द्वारा दी गई लिंक के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें। रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात ही मत्स्य विभाग की किसी भी योजना का लाभ मिल सकेगा।

कानूनी जागरूकता के लिए स्कूलों में आयोजित हुई कार्यशाला

बाल विवाह रोकने की दिलाई गई शपथ

जेंडर आधारित हिंसा को रोकने के लिए सेमीनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

हम होंगे कामयाब अभियान सतत रूप से चलाया जा रहा है। जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले की सभी विकासखंडों में स्कूली छात्र- छात्राओं के मध्य कानूनी जागरूकता के लिए कार्यशालायें आयोजित की गई। कार्यक्रम में बाल विवाह, पॉक्सो एक्ट 2012, गुड टच एवं बेट टच, किशोर न्याय अधिनियम 2015, बाल अधिकार, पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीडन प्रतिषेध निवारण प्रतितोष अधिनियम 2013 आदि के संबंध में जानकारी दी। इसके अलावा पीएम श्री महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, नेहरू हाई स्कूल एवं सीएम राईज कन्या शाला विद्यालय में बच्चों को विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। इस दौरान चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता प्रदान की। प्रतियोगिता के साथ- साथ बाल विवाह मुक्त भारत के लिए शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान बाल संरक्षण अधिकारी सौनिध्य सराठे, सोशल वर्कर प्रवीण डेहरिया, काउंसलर श्रीमती अंजिता श्रीवास्तव, केसवर्कर श्रीमती राधा साहू, कु. माधुरी जाटव एवं अमित उमरे मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि हम होंगे कामयाब अभियान के तहत 25 नवम्बर से प्रत्येक दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जो 10 दिसम्बर तक आयोजित की जायेंगी। इसी क्रम में 2 दिसम्बर को पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

सेमीनार का आयोजन

जेंडर आधारित हिंसा को रोकने के लिए हम होंगे कामयाब नामक जागरूकता अभियान के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल खापा शेढ़ में लैंगिक अपराधों से बालक बालिकाओं का संरक्षण अधिनियम(पॉक्सो) अधिनियम से संबंधित थाना मुंगवानी के सहायक उप निरीक्षक रफी अहमद फारुकी, आरक्षक रामकुमार डेहरिया के सहयोग से सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार के द्वारा पोक्सो एक्ट से संबंधित विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों प्रदान की गई। तथा विद्यार्थियों को गुड टच,बेड टच, साइबर सुरक्षा, आदि विषयों पर भी विस्तृत बताया गया। तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आपको किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो आप निकटतम थाने में शिकायत कर सकते हैं तथा आपकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों से उनके प्रश्नों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम प्राचार्य एस के बक्शी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षक भूपेंद्र पटेल,ओंकार गिर गोस्वामी, गेंदालाल काछी, प्रीति धुर्वे तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां, पेड़ बचाओ, जीवन बचाओ का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पर्यावरण संरक्षण पर आधारित चावरा विद्यापीठ के वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, विशिष्ट अतिथि फादर लिंटो कार्यकारी सदस्य सेंट पॉल सोसायटी, विशेष आमंत्रित अतिथि संस्था की पूर्व छात्रा श्रीमति संस्कृति शर्मा संयुक्त कलेक्टर कटनी के साथ अंजली शाह ए.डी.एम. एवं अध्यक्ष संस्था के प्रबंधक फादर शेफर्ड की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए एवं नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे अपनी रूचि के अनुसार विषय का अध्ययन कर सकते है इससे बच्चों में भी नई अभिरूचि पैदा हो रही है। कार्यक्रम में जुड़े हुए सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया एवं कार्यक्रम के थीम पर्यावरण पर कहा कि आज पूरी दुनिया ग्लोबलवार्मिंग तथा अत्याधिक प्रदूषण की समस्या से पीडित है ऐसे समय में पेड़ों को बचाना तथा पर्यावरण की रक्षा करना पूरी दुनिया के लोगों का कत्र्तव्य है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बहुत ही सुंदर एवम् मार्मिक संदेश दिया जा रहा है। इसके पश्चात खेल एवम् साहित्यक प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों को पुरूष्कार और ट्राफी प्रदान की।

खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत विकासखंड स्तर पर चयन स्पर्धा 5 से प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 का आयोजन ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्यस्तर पर किया जाना प्रस्तावित है। जिले में खेलो एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर चयन स्पर्धा 5 से 9 दिसम्बर तक किया जायेगा। ऑनलाइन पंजीयन किये गये खिलाडियों को ही ब्लाक स्तरीय चयन स्पर्धा में भाग लेने की पात्रता होगी। ऑनलाइन लिंक के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। इसके सम्मिलित खिलाडियों को विकासखंडवार नियुक्त किये गये आयोजन प्रभारी प्रभारियों से आवेदन फार्म लेकर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन भरकर जमा करना होगा। इस प्रतियोगिता में वे ही भाग ले सकते हैं, जिनकी आयु 31 दिसम्बर की स्थिति में 19 वर्ष से कम हो। एक खिलाड़ी एक ही स्पर्धा में भाग ले सकेगा। खिलाडियों को आयु सत्यता की जांच के लिए बोर्ड परीक्षा की अंकसूची या जन्म प्रमाण पत्र के अलावा अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होंगे। आवेदन फार्म के साथ मप्र का मूलनिवासी प्रमाण पत्र एवं पासबुक की प्रति संलग्न करना होंगी। ऑनलाइन पंजीयन किये गये खिलाडियों को ही ब्लॉक स्तरीय चयन स्पर्धा में भाग लेने की पात्रता होगी। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता 5 दिसम्बर को करेली व सांईखेड़ा में, 6 दिसम्बर को नरसिंहपुर में, 7 दिसम्बर को चांवरपाठा व गोटेगांव में और 9 दिसम्बर को गोटेगांव में आयोजित की जायेगी। इसके लिए आयोजन प्रभारी भी नियुक्त किये गये हैं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 13 दिसम्बर को नरसिंहपुर में 18 खेल एवं 14 दिसम्बर को तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। ब्लॉक स्तरीय 19 खेलों एथलेटिक्स, बास्केटबाल, बेडमिटन, बाक्सिंग, फुटबाल, हाकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, मलखंब, तैराकी, बेटलिफ्टंग, कुश्ती, टेबिल टेनिस, क्रिकेट, योगासन, व्हालीबाल, टेनिस एवं शतरंज शामिल हैं।

पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीयलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नाततकोत्ततर महाविद्यालय नरसिंहपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठस द्वारा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम जन शिक्षण संस्थामन नरसिंहपुर द्वारा विद्यार्थियों के लिए असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु तीन माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.आरबी सिंह व आईक्यूएसी के निर्देशन एवं प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृत्ति सेन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। मास्टर ट्रेनर के रूप में जनशिक्षण संस्थान से वंदना पटैल ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण की अवधि में विद्यार्थियों को कम्प्यूटर बेसिक ऑपरेटिंग सिस्ट। एमएस वर्ड प्रोसेसिंग, एक्सल पावर प्वावइंट प्रजेंटेशन इंटरनेट सर्च इंजन ई.मेल तैयार करना आदि माडयूल का सैधांतिक व प्रायोगिक जानकारी प्राप्ति किया। अंतिम दिवस प्रशिक्षिणार्थीयों का प्रश्नर पत्र के माध्याम से मूल्याांकन किया गया। परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेगें। कार्यक्रम से स्नातक स्तर के 35 विद्यार्थी लाभांवित हुए। तीन माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने में प्रकोष्ठ सदस्य श्रीमती शिल्पी तिवारी, श्रीमती दीप्ती नेमा तथा पूर्णिमा पटैल का योगदान रहा।

विकलांग प्रतियोगिता आयोजित

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चांवरपाठा में कक्षा एक से आठ में अध्यनरत सी डब्ल्यू एस एन विद्यार्थियों के लिए दिव्यांगजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखंड की विभिन्न शालाओं में अध्यनरत लगभग 74 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी। इस प्रतियोगिता में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री पी एस मरावी बीआरसी सुनील श्रीवास्तव प्राचार्य श्री केपी सायलवार समस्त जन शिक्षक दिव्यांग विद्यार्थियों के पालक शाला के शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रभारी एमआरसी रामेश्वर प्रसाद मेहरा के द्वारा अपनी सहभागिता दी गई। प्रतियोगिता में 25 मीटर दौड़ कुर्सी दौड़ नींबू चम्मच दौड़ चित्रकला मेहंदी प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों अभिवावक एवम शिक्षकों को भोजन वितरण के उपरांत गायन प्रतियोगिता डांस प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बी आर सी के द्वारा अभिभावको बच्चों की बौद्धिक क्षमता को देखते हुए जिला स्तरीय छात्रावास में प्रवेश लेने के लिए कहा गया। जिला स्तरीय छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं एवं पठन-पाठन की व्यवस्था से पालकों को अवगत कराया गया। उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य श्री के पी सायलवार के द्वारा अभिभावक शिक्षकों एवं समाज से इन बच्चों के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री पी एस मरावी के द्वारा दिव्यांग बच्चों के उत्कृष्ट कार्य के संबंध में बताया गया कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई ना कोई एक ऐसी विशेषता होती है जिससे वह समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर सकता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त बच्चों के अभिभावक,सहयोगी शिक्षक विकास खंड के समस्त जन शिक्षक उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकथाम के लिए बच्चों को दिलाई शपथ

तेंदूखेड़ा

गत दिवस शासकीय विद्यालय डोभी में बाल विवाह रोकथाम बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूली बच्चों और स्टाफ में पदस्थ शिक्षकों को बाल विवाह रोकने के लिए संस्था प्राचार्य श्रीमती राजेश्वरी साहू द्वारा शपथ दिलाई गई प्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में बढ़ते बाल विवाह से देश मैं बढ़ती जनसंख्या वृद्धि हम सबके लिए लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत सरकार द्वारा जहां लड़का लड़कियों की उम्र 21 वर्ष हुआ 18 वर्ष निर्धारित की गई है। परंतु सामाजिक दुष्प्रभाव के कारण बहुत से परिवारों के द्वारा बच्चों का 18 और 21 वर्ष की उम्र के पूर्व विवाह कर दिया जाता है। बाल विवाह रोकना हम सब का भी परम कर्तव्य है कि सरकार के इस कार्य में हम भी अपनी सहभागिता प्रदान करते हुए बाल विवाह को रोकने के लिए प्रयास करें। जहां भी हमें सूचना मिले की लड़का लड़की की कम उम्र में शादी हो रही है इसकी सूचना तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को दें। जिससे समय रहते उस पर लगाम लगाई जा सके। बाल विवाह को प्रेरित करने वाले लोगों के खिलाफ विशेष कानून अधिनियम भी बनाए गए हैं। जिसके कारण कई वर्षों की सजा वह उम्र के आदि जैसी निर्धारित मापदंड भी तय किए गए हैं परंतु फिर भी लोगों के द्वारा बाल विवाह है संपन्न करा दिए जाते हैं। संस्था में अन्य शिक्षकों के द्वारा भी बच्चों को बाल विवाह के बढ़ते अपराध एवं होने वाले नुकसान को लेकर अपने-अपने सुझाव प्रदान किए गए। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिताओ के माध्यम से सीख रहे नई-नई गतिविधियां

तेंदूखेड़ा शासन के निर्देशानुसार अनुसार शासकीय विद्यालयों में साप्ताहिक गतिविधि सीसीएल के अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित कराई जा रही है। जिसके तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों द्वारा जल संरक्षण वनों की अवैध कटाई स्वास्थ संबंधी जानकारियां धूम्रपान एवं नशे के बढ़ते दुष्प्रभाव आदि के कारण हो रहे नुकसान बढ़ाते दुष्प्रभाव आदि को लेकर पोस्टर के माध्यम से इन पर लगाम लगाने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों द्वारा कार्ड सीट अनेक डायग्राम तैयार कर अपने कौशल को प्रदर्शित किया गया। वर्तमान समय में हो रही वनों की अवैध कटाई एवं जल की अवैध बर्बादी बढ़ते समाज में धूम्रपान नशा के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं वर्तमान में मानव अनेक बीमारियों से ग्रसित हो रहा है। इन बीमारियों से बचने के लिए किन किन उपायों का उपयोग दैनिक जीवन में किया जाना चाहिए एवं समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए आदि से संबंधित बच्चों को पोस्ट के माध्यम से विस्तार से समझाया गया। बच्चों के इस कार्य में संस्था की वरिष्ठ शिक्षक श्रीमती सरिता वर्मा, सुश्री सुनीता शर्मा सुमन लता युवने रोमा चौधरी गायत्री शर्मा आदि के द्वारा बच्चों को हर सप्ताह है साप्ताहिक गतिविधियां संचालित कराई जाती है। जिसमें बच्चे इन गतिविधियों के माध्यम से अपनी संचार शक्ति एवं ऊर्जा को एक नई दिशा प्रदान करते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जीवन में मनुष्य के जीवन में काम आने वाले उन सभी बिंदुओं को बारी-बारी से विस्तार से बच्चों को बताया जाता है जिससे बच्चे अपने कौशल को बढ़ाने में इनका सदुपयोग कर सके। ज्ञात हो कि आगामी 9 दिसंबर से अर्धवार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ होने जा रही है जिसकी तैयारी भी संस्था के सभी शिक्षकों द्वारा बच्चों को कराई जा रही है जिससे बच्चे अच्छे से अच्छा परिणाम लाकर वार्षिक परीक्षा की तैयारी सुनियोजित कर सकें। इसमें संस्था के सभी शिक्षकों द्वारा अधिक परिश्रम भी कराया जा रहा है।

श्रीनगर महाविद्यालय में मनाया गया विश्व एड्स दिवस

गोटेगांव।

के समीपवर्ती ग्राम श्रीनगर के श्री जगतगुरु शंकराचार्य महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के रासेयो समन्वय डॉक्टर एस आर मेहरा एवं महाविद्यालय प्राचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉक्टर दिलीप पाठक के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व एड्स दिवस मनाया गया विश्व एड्स दिवस की थीम अधिकारों की राय अपनाऐ मेरा स्वास्थ मेरा अधिकार इस थीम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ आशीष ठाकुर ने एचआईवी के बचाव एवं सावधानी के बारे में अपनी विचार व्यक्त किए,प्रो विवेक जैन ने जानकारी दी एड्स से कैसे बचाव किया जा सके प्रो.राजा दुबे ने एचआईवी एड्स की विस्तार से अपने विचार छात्र-छात्राओं को साझा किया इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला कार्यक्रम अधिकारी ने रेड रिबन क्लब के बारे में रेड रिबन की भूमिका एवं महत्व का उल्लेख स्वयं सेवकों को विस्तार से व्याख्या की इसके बाद विश्व एड्स दिवस की उपलक्ष में महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान किरण कहार द्वितीय स्थान टेकवती कुशवाहा तृतीय स्थान मोहिनी साहू पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंजना साहू द्वितीय स्थान पिंकी ठाकुर तृतीय स्थान यशोदा कुशवाहा ने प्राप्त किया कार्यक्रम का संचालन एसपी डेहरिया ने किया कार्यक्रम में प्रो.अंकित नामदेव प्रो.इंद्रजीत प्रजापति प्रो.दिलीप द्विवेदी कार्यालय स्टाफ से सत्येंद्र तिवारी,चंदन विश्वकर्मा,आयुष तिवारी की व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक उपस्थित रहे

वाहनों में भरपूर मात्रा में हो रहा घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग

वाहन चालक असुरक्षित तरीके से कर रहे, वाहनों में गैस रिफिलिंग, हो सकता है हादसा

गोटेगांव

स्थानीय नगर में गैस रिफिलिंग का कारोबार खुलेआम चल रहा है। घरेलू सिलेंडरों से निकालकर फुटकर में छोटे गैस सिलेंडरों में गैस 180 से 200 रुपए किलो के हिसाब से भरी जा रही है। बिना सुरक्षा के खुलेआम चल रहे इस कारोबार से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।मालूम हो कि नगर के गैस चूल्हा दुकानदार सिलेंडर से गैस निकालकर दो लीटर तथा पांच लीटर के सिलेंडरों में भरकर गैस बेच रहे है। नगर में यह धंधा खूब चल रहा है,गैस रिफिलिंग के समय निकलने वाली गैस से कभी भी हादसा हो सकता है। घरेलू गैस सिलेंडरों से कार,मारुति वेन में भी रिफिलिंग की जा रही है और यह वाहन सड़कों पर बगैर परमिट फर्राटे से घरेलू गैस से दौड़ रहे हैं,इसके बाद भी प्रशासन गैस के रिफिलिंग के कारोबार को बंद कराने के लिए कोई प्रयास नहीं करता है। जिससे यह धंधा बेरोकटोक फलफूल रहा है।सस्ती यात्रा के लालच में भरते हैं एलपीजीसस्ती यात्रा के चक्कर में न तो वाहन स्वामियों को इसकी फिक्र है और न ही प्रशासन को कोई चिंता। बात यहीं तक सीमित नहीं है,यहां पर रसोई गैस की रिफिलिंग का धंधा चमका है। नगर में ही इसकी रिफिलिंग की जा रही है फिर भी प्रशासनिक अधिकारियों को यह नजर नहीं आती।वाहनों में लगे गैस सिलेंडरों में हो रही है गैस रिफिलिंगनगर में एलपीजी से चलने वाले वाहनों की संख्या काफी है। वहीं पेट्रोल के नाम पर पंजीकृत कारे भी अलग से किट लगवाकर गैस से ही चलायी जा रही है। वाहन मालिक वाहन को सुनसान जगह पर ले जाकर स्वयं असुरक्षित तरीके से गैस रिफिलिंग करते, वहीं ब्रांडेड कंपनी की बजाय घटिया गैस किट लगाकर चलाए जा रहे इन वाहनों में हमेशा ही यह खतरा बना रहता है कि न जाने कब हादसा हो जाए,अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जिससे अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार बंद हो,नगर में खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडर से वाहनों में गैस भरी जा रही है। जिसे कोई भी जिम्मेदार अधिकारी सुनने-देखने वाला नहीं है।